Total Pages : 8

3381/R

B.A. (Third Year) Examination, 2016

HINDI LITERATURE

Paper–I

(काव्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

इकाई-I

1. (i) ''दुलहिन गावहू मंगलाचार, हम धरि आये हौ राजा राम भरतार।''

यहाँ दुलहिन कौन है तथा इस पंक्ति का मूलप्रतिपाद्य क्या है?

(ii) जायसी भक्ति की किस काव्यधारा के कवि हैं? उनकी कौन सी रचना में मसनवी शैली का प्रयोग हुआ है?

इकाई-II

(iii) 'सूरसागर' में कितने पदों की संख्या कही जाती है और उनमें से प्राप्त कितने हैं?

(iv) प्रबन्ध रचना की दृष्टि से 'रामचरितमानस' किस तरह का काव्य है तथा इसके अध्यायों के नाम लिखिए।

इकाई-III

(v) सुन्दरदास का परिचय देते हुए बताइये कि उनके ग्रंथों के संग्रहकर्त्ता का नाम क्या है?

(vi) 'ढोला मारू रा दूहा' किस प्रकार की काव्य रचना है तथा वह किस समय लिखी गई?

इकाई-IV

(vii) 'नहुष' के अतिरिक्त गुप्त जी के अन्य दो महाकाव्यों का परिचय दीजिए।

(viii) नहुष किस प्रकार का काव्य है तथा उसका आधार क्या है?

इकाई-V

(ix) भक्तिकालीन काव्यधाराओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(x) शब्द-शक्ति क्या है, उससे कितने प्रकार हैं?

खण्ड-ब

इकाई-I

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

पाँडे कौन कुमति तोहि-लागी, तू राम न जपहि अभागी।

वेद पुरान पढ़त अस पाँडे, खर चंदन जैसे भारा।

राम नाम तत समझत नाँही, अंति पडै मुख धारा।।

वेद पढ़या का यहु फल पाँडे, सब घटि देखे रामा।

जनम मरन थै तो हूँ छूटे, सुफल हूँहि सब काँमा।।

अथवा

3. नव पौरी पर दरुवँ दुवारा। तेहि पर बाज राज-धरियारा।।

धरी सो बैठि गनै धरियारी। पहर पहर सौं आपनि बारी।।

जबहि धरी पूजी तेई मारा। धरी धरी धरियार पुकारा।।

परा जो डाँड जगत सब डाँडा। का निचिंत माटी कर माँग।।

पहरहि पहर गजर निति होई। हिया बजर, मन जाग न सोई।।

मुहम्मद जीवन जल भरन, रहँट-धरी के रीति।

घरी जो आई ज्यौं भरी, ढरी जनम गा बीति।।

इकाई-II

4. छूत कहौं, अवछूत कहाँ, रजपूत कहाँ, जोलहा कहौं कोऊ।

काहू की बेटी खो बेटा न ब्याहब, काहू की जाति बिगार न सोऊ।।

तुलसी सरनाम गुलामु है राम को, जाको रुचै सो कहै कछु ओऊ।

माँगिकै खैबो, मसीत को सोइबो, लैबोको एकु न दैबो को दोऊ।।

अथवा

5. चीर की चटक औ लटक नव कुण्डल की

भौंह की मटक नेक आँखिन दिखाड रे।

मोहन सुजान गुन रूप के निधान, फेरि

बाँसुरी बजाय तनु-तपन सिराड रै।।

ऐहो बनवारी बलिहारी जाऊँ तेरी आजु

मेरी कुंज आय नेक मीठी तान गाड रै।।

इकाई-III

6. सुन्दरदास के काव्य में देह, जगत की नश्वरता तथा काल की विकरालता से सम्बन्धित दार्शनिक विचार लिखिए।

अथवा

7. मीरा की भक्ति-भावना पर एक लेख लिखिए।

इकाई-IV

8. निम्नांकित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

ऊँचे रहे स्वर्ग, नीचे भूमि को क्या टोटा है?

मस्तिष्क से हृदय, कभी क्या कुछ छोटा है?

व्योम रचा जिसने, उसी ने वसुधा रची,

किस कृति हेतु नही, उसकी कला बची।

मेरी भूमि तो है पुण्य भूमि भारती।

सो नक्षत्र लोक करें, आके आप आरती।।

अथवा

9. कर्म करें लोग इतना ही नहीं इष्ट है

शिष्ट है वही जो कर्म कौशल विशिष्ट है।

होगा वह क्या बड़ा, जो विघ्नों से नहीं लड़ा?

यों तो सुखी शान्त वही, जो जड़ हुआ पड़ा।

ऐसा क्लीव का पुरुष, सबका सहेगा शाप,

भोग क्या करेगा, जो न अर्जन करेगा आप?

इकाई-V

10. ज्ञानमार्गी शाखा की विशेषताओं का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

अथवा

11. लक्षणा शब्द-शक्ति के प्रकार सोदाहरण बताइये।

खण्ड-स

इकाई-I

12. जायसी की काव्यगत विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

इकाई-II

13. ''सूर वात्सल्य एवं शृंगार का कोना-कोना छान मार आये हैं।'' शुक्लजी की इस उक्ति की समीक्षा कीजिए।

इकाई-III

14. 'ढोला मारु रा दूहा' में विप्रलभं शृंगार का मार्मिक वर्णन किया गया है। इस कथन पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

इकाई-IV

15. 'नहुष' की काव्यकला के सौष्ठव को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

इकाई-V

16. रामभक्ति एवं कृष्ण भक्ति शाखा की विशेषताओं की तुलनात्मक दृष्टि से विवेचना कीजिए।